

संपादकीय हथियारों के बीच

यह सुनकर शायद आप चौंक जाएं कि दुनिया भर में मौजूद 1 अरब 1 करोड़ छोटे हथियारों का 84.6 प्रतिशत सिविलियर्स यानी आम नागरिकों के पास है। आम नागरिक, यानी पुलिस और सशस्त्र बलों को छोड़कर बाकी सब। दूसरे शब्दों में कहें तो जिनी सुरक्षा कंपनियों, गैर सरकारी सशस्त्र संगठनों और गिरोहों को भी इसमें शामिल किया गया है। हथियारों पर नजर रखने वाले जिनेवा स्थित संगठन 'स्मॉल आर्मस सर्वें' की पिछले साल जून में प्रकाशित रिपोर्ट 'एस्टिमेटिंग ग्लोबल सिविलियन हेल्ड फायरआर्म्स नंबर्स' के अनुसार 2017 में कुल हथियारों का 13.2 प्रतिशत (13.30 करोड़) ही राज्य के नियंत्रण वाली सेना और 2.2 प्रतिशत (2.30 करोड़) विभिन्न सरकारी सुरक्षा एजेंसियों के पास था।

रिवॉल्वर, सेल्फ लॉइंग पिस्टल, राइफल, कार्बिन और असॉल्ट राइफल से लेकर लाइट मॉनीगन तक को इस अध्ययन में शामिल किया गया है। इस तरह के हथियारों में पिछले दस सालों में 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इह है रखने वाले आम नागरिक मुख्यतः अमेरिका, भारत, चीन और पाकिस्तान के हैं। अमेरिका में दुनिया की सिर्फ 4 प्रतिशत आबादी रहती है मगर वहाँ के नागरिकों के पास दुनिया के 40 प्रतिशत छोटे हथियार हैं। वहाँ लोगों के पास कुल 39 करोड़ 33 लाख, यानी औसतन 10 नागरिकों पर 12 हथियार हैं। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार 50 साल से ऊपर के एक तिहाई अमेरिकियों के पास जबकि 18 से 29 वर्ष आयुर्वर्ग के 28 प्रतिशत युवाओं के पास बंदूकें हैं।

इस मामले में अमेरिका के बाद भारत (7.11 करोड़), चीन (करीब 5 करोड़), पाकिस्तान (4.39 करोड़) और रूस (1.76 करोड़) का नंबर आता है। न्यूजीलैंड में आम लोगों के पास केवल 12 लाख हथियार हैं। भारत की एक अलग ख्वासियत यह है कि यहाँ आम लोगों के पास मौजूद 7.11 करोड़ हथियारों में से 6.14 करोड़ गैरकानूनी हैं, यानी उनका रीजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है। आम लोगों के पास हथियार होने का सबसे ज्यादा ख्वासिया अमेरिका को भुगतना पड़ा है। वहाँ आप दिन कभी रस्ते में तो कभी बाजार या कंसर्ट में स्लोलोआर गोलीबारी होती रहती है।

2016 में अमेरिका में 64 प्रतिशत हत्याएं आग्नेयांत्रों से हुई। 1982 से 2016 तक 90 मास शूटिंग (जिनमें तीन या ज्यादा लोग मरे) की घटनाएं घटीं। इन घटनाओं के कारण वहाँ निजी तौर पर हथियार रखने के खिलाफ अभियान शुरू हुआ।

लोक कल्याण का सुशासन

एक बार सम्प्राट अशोक के जन्मदिवस पर सर्वश्रेष्ठ सासन व्यवस्था करने वाले प्रांत प्रमुख को पुस्कृत करने की घोषणा की गई।

दरबार में उत्तरी सीमावर्ती प्रांत के प्रमुख ने कहा-कर वृद्धि से हमारे प्रांत की आय पहले से तीन गुना हो गई है। दक्षिण प्रांत का प्रमुख बोला-इस वर्ष राजकोष को भेजा गया सबसे ज्यादा राजस्व गत वर्ष की अपेक्षा दोगुना है। पूर्वी प्रांत प्रमुख ने कहा-सीमा से सटे दमनकारियों का अंत कर हमने वहाँ शांति स्थापित की है। एक प्रांत प्रमुख बोला-हमने राज्य में आय के नए स्रोत खोजे हैं, जिससे संसाधन और सुरासन में सुधार होगा। अखिर में मगध प्रांत प्रमुख बोला-इस वर्ष राजकोष को भेजे जाने वाले राज्य द्वारा भेजा गया आधा ही है।

प्रजा के कर घाटे हैं। राजसेवकों को सुविधाएं दी गई हैं। मार्गों में कुएं व उद्यान, पाठशालाएं और धर्मशालाएं तैयार की गईं। रोगियों की चिकित्सा के लिए औषधालय खोले गए। सभी प्रांतों का ब्लोग सुनने के बाद सम्प्राट अशोक ने कहा कि मुझे शोषण से प्राप्त धन की चाह नहीं है। दमन कर कमाया धन निन्दनीय है। इसीलिए मगध प्रांत के प्रमुख को सर्वश्रेष्ठ सासक घोषित किया जाता है।

नवरात्रि के व्रत में आज बनाएं शक्तकंद की चाट



1 चम्मच बाटीक कटी हरी धनिया
1/4 छोटा चम्मच सेंधा नमक

1/2 नीबू

घिया :

इमली की चटनी : 2 बड़े चम्मच इमली के गुड़ को गोम सफी में आये घंटे के लिए छिगो दें। फिर इसे पीसकर छान लें। इसमें 3 से 4 बड़े चम्मच धीनी डाल के थोड़ा गाढ़ा होने तक उबल लें। इमली की चटनी की तैयारी होती है। इसे आप घिया में रसेट भी कर सकते हैं।

धनिया घटनी के लिए : धनिया पत्ती, हरी मिर्च, अदरक, सेंधा नमक डालकर पीस लें। घिया हुए पेस्ट में नीबू का रस मिल दें। आपका हरी घटनी तैयार है।

चाट के लिए : उबली हुई शक्तकंद को छीत कर 1/4 इंच के टुकड़ों में काट लें। इसमें सेंधा नमक, हरी मिर्च, जीरा पाउडर, अदरक, हरी धनिया, हरी चटनी, मीठी चटनी डाल के मिला दें। चाट को सर्व करने के लिए इसे प्लेट में बिकालें और ऊपर से थोड़ा सा ह्या धनिया, जीरा पाउडर व नीबू के रस से गरिमा कर सर्व करें।

सामग्री :

4 से 5 छोटी शक्तकंद

2 छोटे चम्मच हरी घटनी

2 छोटे चम्मच इमली की मीठी

चटनी

1/2 इंच अदरक (बारीक कटा)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो

3. बैंबज, बिनाकरण, व्यर्थ 4.

हल्कीर्णीदं, चक्कमा, धोखा 6.

शक्कर पानी का मीठा घोल

10. सोते से उडाना, सावधान

करना, प्रदीप करना 11. चरमसीमा,

सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा

नृत्य 17. नृत्य 18. नृत्य

19. नृत्य 20. नृत्य 21. नृत्य

22. नृत्य 23. नृत्य

मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल,

वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से

अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर,

संदेश।

ऊपर से नीचे :

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, 3. गंडी की इच्छा करने वाला 4. गंडी के बिना 5. चतुरा आगा हुआ

रंग का, मटभैला 5. चतुरा आगा हुआ

प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, खाव

क्रम प्रथा, प्रणाली, रीती-रीवाज, 20. करीब, नज़दीक, सीमोप 21.

निशानवर, रात में विचरण करने

सुबह, प्रातः, सवेरा।

शब्द सामर्थ्य-31

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 30 का हल

अ	भि	घे	क	प	स	ना
जा	त	थ	प	थ	पा	ना
य	र	का	नी	भ्र	र	श्म
ब	घा	र	क	ष	प्र	द
त	ना	त	नी	र्व	ं	ब
अ	मा	ज	मा	त	ल	
स	जा			क	ज	ग
बा	बे	स	हा	रा	ग	म
गु	ला			ज	दू	त

अब व्हाट्सएप से यूजर्स 30 ऑडियो फाइल को एक साथ भेज सकेंगे

सैन फ्रासिंस्को (आरएनएस)। फेसबुक के अधिग्रहण वाले फोटो मैसेंजिंग ऐप व्हाट्सएप ने नए यूजर इंटरफ़ेस (यूआई) को बदल दिया है जिसमें यूजर को एक बार में 30 ऑडियो फाइल्स भेजने की सुविधा मिली। वेबफ्रीडाइंगों ने ही साथ बताया, व्हाट्सएप ने हाल ही में ऑडियो पिकर पेश किया है। इससे ऑडियो को सेंड करने से पहले ल्पे करने तथा एक से ज्यादा ऑडियो फाइल्स भेजने की सुविधा प्रदान करता है। इससे पहले, यूजर्स एक बार में सिर्फ़ एक ऑडियो फाइल भेज सकते थे।

नया फीचर व्हाट्सएप के 2.19.89 बीटा अपडेट में आया है। इसके बाद व्हाट्सएप ने अपने प्लेटफॉर्म पर लोगों से ज्यादा डिवाइस पर बिंदुओं में तकनीकी खामियां सामने आ रही हैं। इससे समग्र कर दाचे के अनुपालन में खामियां रहती हैं।

जीएसटी परिषद को बेहतर जीएसटी अनुपालन नेटवर्क के लिए एप्लिकेशन के बाद भी अप्रैल 2019 को बदल दिया गया। अपने प्लेटफॉर्म पर फर्मी खेलों के फैलने की ओर बिंदुओं में तकनीकी खामियां आयी हैं। यह एप बहुप्रतीक्षित आपैर्टेंट सोर्ट पर हाल से ही काम कर रहा है। यह जिसका ट